



# OM INFRA LIMITED

(Formerly known as OM METALS INFRAPROJECTS LIMITED)

CIN: L27203RJ1971PLC003414

Regd. Office: 2<sup>nd</sup> Floor, A-Block, Om Tower, Church Road, M.I. Road, Jaipur-302001

Tel:+91-141-4046666

Website: [www.ommetals.com](http://www.ommetals.com) E-Mail Id: [info@ommetals.com](mailto:info@ommetals.com)

**Date: 20th July, 2024**

**To,**

|   |   |
|---|---|
| Deptt. Of Corporate Service,<br>BSE Limited<br>Phiroze Jeejeebhoy Towers,<br>Dalal Street,<br>Mumbai-400001<br>Scrip Code: 531092 | Listing & Compliance Department,<br>National Stock Exchange Of India Limited<br>Exchange Plaza, C-1 Block G<br>Bandra Kurla Complex, Bandra (E),<br>Mumbai-40005<br>Symbol : OMINFRAL |
|---|---|

**Sub: Submission of copies of Newspaper advertisement pursuant to the regulation 30 of the SEBI (LODR) Regulations, 2015**

Pursuant to the regulation 30 of the SEBI (LODR) Regulations, 2015, please find enclosed herewith copies of public notice published by the Company by way of advertisement in newspapers viz., "Financial Express" (English) and Business Remedies (Hindi) dated 20<sup>th</sup> July, 2024.

Kindly take the same on records.

**Thanking you**

**For Om Infra Limited**

VIKAS Digitally signed by  
VIKAS KOTHARI  
KOTHARI Date: 2024.07.20  
16:43:42 +05'30'

Vikas Kothari

DIN:00223868

Managing Director & CEO



## बैंक ऑफ इंडिया ने किसानों के लिए विशेष योजनाओं और कृषि समुदाय को सशक्त बनाने के लिए उठाए कदमों के साथ किसान दिवस मनाया

### बिजनेस रेमेडीज/मुंबई

किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के समान हैं और उनके अर्थक प्रयास देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंक ऑफ इंडिया को किसान दिवस मनाने की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। बैंक ने यह दिन हमारे देश के किसानों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए समर्पित किया है। देश के मेहनती और दृढ़ निश्चयी किसानों के प्रति अपनी कृतज्ञता के रूप में, बैंक ऑफ इंडिया ने कृषि समुदाय को समर्थन और सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई योजनाएं शुरू की हैं और अनेक नए कदम उठाए हैं।

किसान महा उत्सव के माध्यम से, बैंक ऑफ इंडिया अपनी विभिन्न ऐसी वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास रहा

है जो देश और उसके कृषक समुदाय के विकास में योगदान दे रही हैं। किसान समृद्धि अभियान के तहत एक बेहतरीन पेशकश स्टार फार्म मशीनीकरण योजना और स्टार कृषि वाहन योजना है, जो कृषि उपज के परिवहन के लिए कृषि उपकरणों और वाहनों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इन योजनाओं के तहत 8.90 प्रतिशत से शुरू होने वाली आकर्षक रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इन योजनाओं के प्रयोजन पर प्रोसेसिंग फीस में 100 फीसदी छूट दी जाती है।

बैंक ऑफ इंडिया की प्रमुख वित्तीय सहायता योजनाएं इस प्रकार हैं- **किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम** : ब्याज अनुदान की उपलब्धता के साथ सभी प्रकार की कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करना।



**ई-वेयरहाउस** : इलेक्ट्रॉनिक वेयरहाउस रसीद के आधार पर किसानों को वित्तीय सहायता जिन्होंने अपनी उपज को मान्यता प्राप्त गोदामों में संग्रहीत किया है। स्टार दूधगंगा योजना- डेयरी पशु पालन गतिविधियों के लिए विशेष योजना। **स्टार पोल्ट्री विकास योजना**: पोल्ट्री पालन गतिविधियों के लिए विशेष योजना। **स्टार मछली पालन योजना** : सभी प्रकार की समुद्री, खारे और अंतर्देशीय मत्स्य पालन गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता। **स्टार खाद्य और कृषि प्रसंस्करण योजना** : खाद्य और कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के लिए वित्तीय सहायता। **स्टार स्वयं सहायता समूह** : आर्थिक गतिविधि करने के लिए वित्तीय सहायता द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना। **स्टार सखी योजना** : सरकारी की लखपति दीदी योजना के अनुरूप व्यक्तिगत एसएचजी सदस्यों को फाइनेंसिंग, जिसमें ब्याज अनुदान की सुविधा भी है। **आत्मनिर्भर योजना** : भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम के तहत आत्मनिर्भर बनने की पहल। **गोदाम और कोल्ड स्टोरेज** :

भंडारण और संरक्षण के लिए इंप्रोस्ट्रक्चर को सपोर्ट। इन लोकप्रिय योजनाओं में से एक किसान क्रेडिट कार्ड योजना किसानों को उनकी कृषि और संबद्ध गतिविधियों के साथ-साथ गैर-कृषि गतिविधियों के लिए समय पर और जरूरत के हिसाब से ऋण सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह कार्ड कम ब्याज दर, बिना किसी छिपे हुए शुल्क के पारदर्शी शर्तों और न्यूनतम दस्तावेजों के साथ उपलब्ध कराया जाता है, जिससे आसानी से अपनी जरूरत के वित्तीय संसाधनों तक पहुंच सकें। ऋण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके और निधियों को अधिक सुलभ बनाकर, बैंक ऑफ इंडिया का उद्देश्य किसानों के सामने आने वाले वित्तीय बोझ को कम करना है, जिससे वे बेहतर कृषि पद्धतियों में निवेश कर सकें, आवश्यक

उपकरण खरीद सकें और अंततः अपनी उत्पादकता और आय में सुधार कर सकें। किसान दिवस के अवसर पर, बैंक ऑफ इंडिया विभिन्न पहलों के माध्यम से किसानों को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बैंक का मानना है कि सतत कृषि विकास के लिए किसानों की वित्तीय संसाधनों, ज्ञान, बुनियादी ढांचे और टेकनोलॉजी से सशक्त बनाना आवश्यक है। इन संसाधनों की सुविधा प्रदान करके, बैंक ऑफ इंडिया का लक्ष्य आवश्यक वित्तीय उपकरण और संसाधन प्रदान करना जारी रखते हुए उत्पादकता को बढ़ावा देना और आजीविका में सुधार करना है। बैंक का लक्ष्य अधिक लचीले और समृद्ध कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे किसान समृद्ध हों सकें और हमारे देश के विकास की आधारशिला बनें हों।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के एक राज्य में कृषि कार्य में अत्यधिक फर्टिलाइजर के उपयोग का हथ्र यह हुआ कि आज वहां से 'कैसर ट्रेन' चलाना पड़ रही है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति से कृषि उत्पादन जरूर बढ़ा, मगर ये अधूरा सच है। आज फर्टिलाइजर की अधिकता के कारण एक 'धोमा जहर' हमारी धमनियां में घुस रहा है। ये दुष्प्रभाव केवल मनुष्यों पर ही नहीं पड़ता है, बल्कि पशु-पक्षी भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। अमरोहा में निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल में 12 से 14 गाय अचानक मर गईं, हमने वहां विशेषज्ञ भेजे तो ये पता लगा कि चारे में बड़े पैमाने पर फर्टिलाइजर मिला था, जिसके कारण उनकी मौत हुई। हमें समझना होगा कि जंगल गाय अत्यधिक फर्टिलाइजर को बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है तो स्थिति क्या होगी।

बीज से लेकर बाजार तक कृषि उत्पादों के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना होगा : सीएम योगी

बिजनेस रेमेडीज/लखनऊ, आईएनएस

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के एक राज्य में कृषि कार्य में अत्यधिक फर्टिलाइजर के उपयोग का हथ्र यह हुआ कि आज वहां से 'कैसर ट्रेन' चलाना पड़ रही है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति से कृषि उत्पादन जरूर बढ़ा, मगर ये अधूरा सच है। आज फर्टिलाइजर की अधिकता के कारण एक 'धोमा जहर' हमारी धमनियां में घुस रहा है। ये दुष्प्रभाव केवल मनुष्यों पर ही नहीं पड़ता है, बल्कि पशु-पक्षी भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। अमरोहा में निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल में 12 से 14 गाय अचानक मर गईं, हमने वहां विशेषज्ञ भेजे तो ये पता लगा कि चारे में बड़े पैमाने पर फर्टिलाइजर मिला था, जिसके कारण उनकी मौत हुई। हमें समझना होगा कि जंगल गाय अत्यधिक फर्टिलाइजर को बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है तो स्थिति क्या होगी।

## राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड की यूनिट को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'पायनियर यूनिट' घोषित किया, बिजली शुल्क छूट के लिए रिफंड मिला

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली



राठी स्टील और पावर लिमिटेड स्टेनलेस स्टील प्रोडक्ट्स जैसे रोड, फ्लैट्स के क्षेत्र में उभरती हुई कंपनी है। कंपनी ने अपनी गाजियाबाद स्थित स्टील मेल्टिंग यूनिट को उत्तर प्रदेश सरकार की 'औद्योगिक और सेवा क्षेत्र निवेश नीति 2004' के तहत 'पायनियर यूनिट' घोषित किया गया है। इसके तहत कंपनी को उत्तर प्रदेश सरकार से बिजली शुल्क छूट के खिलाफ 4.72 करोड़ रुपये की राशि रिफंड के रूप में मिली है।

कंपनी ने पहले 31 मार्च 2024 को तिमाही और वर्ष के लिए शानदार नतीजे घोषित किए। वित्त वर्ष 2024 में कुल राजस्व 492.83 करोड़ रुपये

था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का ईबीआईटीडीए (अन्य आय को छोड़कर) 20.79 करोड़ रुपये था और ईबीआईटीडीए मार्जिन 4.22 प्रतिशत था। EBITDA 23.53 करोड़ रुपये था, जबकि पीएटी मार्जिन 4.78 प्रतिशत था।

कंपनी ने आगे के लिए अपनी योजना की घोषणा भी की। इसके तहत स्टेनलेस स्टील उत्पादों की क्षमता और उपयोग को बढ़ाने पर काम करना और कम लागत संरचना को बनाए रखना है। फंड जुटाने और लोन सेटलमेंट में बैलेंस शीट को मजबूत किया है और कंपनी को

भविष्य में बेहतर काम करने का मौका देने की स्थिति में ला दिया है। राठी स्टील और पावर अपने क्षेत्र में उत्तरी भारत का बड़ा मार्केट प्लेयर है। कंपनी का लक्ष्य अपने व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो का लाभ उठाना और विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करना है। मूल्यवर्धित उत्पाद के लिए SS रीबार और बी2बी को बढ़ावा देने के लिए खुदरा नेटवर्क का उपयोग करना है। कंपनी मौजूदा संयंत्र में उपयोग क्षमता को बढ़ाएगी। भविष्य में आने वाली बड़ी से बड़ी डिमांड को पूरा करने के लिए कंपनी बुनियादी तौर पर

मजबूत है। कंपनी की उपयोग क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ाया जा रहा है। मई 2024 में, राठी ने ईंधन/स्कैल नुकसान को कम करने के लिए सभी प्रमुख उपकरणों में अपनी स्टील कास्टिंग और रोलिंग प्रक्रिया को सिंक्रनाइज करने के लिए एक लागत अनुकूलन परियोजना शुरू की। अप्रैल 2024 में, कंपनी ने अपनी वायर रॉड मिल का आधुनिकीकरण पूरा किया और उसी से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया। इससे उत्पाद स्वीकार्यता में सुधार हुआ है। अप्रैल 2024 में, राठी ने ऋण मुक्त होने के बाद, वित्तीय प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कोटक महिंद्रा के साथ फंड जुटाने के माध्यम से बैंकिंग

संबंधों को फिर से शुरू किया। 1971 में स्थापित, राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड स्टील और स्टील संबंधित उत्पादों का निर्माण और आपूर्ति करता है। कंपनी वायर रॉड्स, बिलेट्स, फ्लैट्स आदि जैसे स्टेनलेस स्टील उत्पादों में विशेषज्ञता रखती है, जिनका मुख्य उपयोग इंप्रोस्ट्रक्चर, इंजीनियरिंग और थ्रेलू अनुप्रयोगों में होता है। राठी गाजियाबाद, यूपी में 2,00,000 टन प्रति वर्ष की स्थापित रोलिंग क्षमता के साथ एक संयंत्र का संचालन करता है। कंपनी स्टेनलेस स्टील बिलेट्स का उत्पादन करने के लिए 90,000 टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता के साथ एक स्टील मेल्टिंग शांप भी संचालित करती है।

## एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती की विशेषता बताएंगे : शिवराज सिंह चौहान

बिजनेस रेमेडीज/लखनऊ/आईएनएस

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लखनऊ में शुक्रवार को प्राकृतिक खेती पर आधारित 'भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति' कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि कम से कम एक करोड़ किसानों के बीच जाकर उन्हें प्राकृतिक खेती की विशेषताओं के बारे में बताएं। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि हम कम से कम एक करोड़ किसानों तक जाएंगे और प्राकृतिक खेती की विशेषता से अवगत कराएंगे। हम कोशिश करेंगे कि उनमें से 18 लाख किसान ऐसे निकलें, जो प्राकृतिक खेती करने का संकल्प लें। अगर आपके पास 5 एकड़ खेत है तो एक एकड़ में प्राकृतिक खेती करें। अगर आपके पास दो एकड़ खेत है तो आधे एकड़ में करें, बाकी में



आपको जो करना है, करते रहें। उन्होंने कहा कि हमारे कृषि विश्वविद्यालय एक और प्रयोगशाला बनेगी। प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ बता रहे थे कि एक कृषि विश्वविद्यालय को प्राकृतिक कृषि विश्वविद्यालय के रूप में बनाएंगे। उनका अभिप्राय यह है कि हमारे कृषि महाविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र को हम प्रयोगशाला बनाने की दिशा में काम करेंगे। इसके अलावा प्राकृतिक खेती करने

वाले किसानों को खेत भी प्रयोगशाला होंगे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाएंगे, उनको विधिवत प्रशिक्षण देने का काम करेंगे। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को पहले और दूसरे साल तक उत्पादन थोड़ा कम हो सकता है। लेकिन, तीसरे साल में ज्यादा होगा। इसलिए, तीन साल तक हम किसानों के खाते में कुछ पैसे डालेंगे। केमिकल फर्टिलाइजर पर भी तो सब्सिडी दे ही रहे हैं, तो प्रोत्साहन के लिए ये भी जरूरी है।

## अदाणी फाउंडेशन ने हिमाचल के मंडी में दिव्य मानव ज्योति सेवा ट्रस्ट को शव वाहन दान किया

बिजनेस रेमेडीज/हिमाचल प्रदेश/आईएनएस



अदाणी फाउंडेशन और अदाणी समूह की कंपनी एसीसी बरमाणा ने हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला स्थित दिव्य मानव ज्योति सेवा ट्रस्ट, डैबर को शुक्रवार को एक शव वाहन दान किया। इससे मंडी और पड़ोसी बिलासपुर जिलों के दो दर्जन पंचायतों के लोग लाभान्वित होंगे।

ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण प्रकाश आर्य ने इसके लिए जिला प्रशासन और एसीसी

सोमेट की बरमाणा इकाई का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जब यह वाहन बनकर पूरी तरह तैयार हो जाएगा तो ट्रस्ट एक नंबर जारी करेगा। उन्होंने बताया कि अब जिला बिलासपुर और मंडी के तीन रमशासनाघाटों बिलासपुर के रामबाग मुक्ति धाम, और मंडी के अलसू तथा डैहर मुक्ति धाम पर अपने प्रियजनों की अंतिम क्रिया के आकांक्षी लोगों को यह सेवा

निःशुल्क प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब यह वाहन बनकर पूरी तरह तैयार हो जाएगा तब हम एक फोन नंबर जारी करेंगे। जिस भी परिवार को इस वाहन की जरूरत पड़ेगी, वे हमसे संपर्क करेंगे। हम उनके घर तक यह वाहन निःशुल्क और निःस्वार्थ भाव से पहुंचाएंगे। अदाणी फाउंडेशन द्वारा सामाजिक

दायित्व के तहत यह शव वाहन दान किया गया है। इस अवसर पर एसीसी सोमेट बरमाणा के चीफ प्लांट मैनेजर संदीप कुमार, अदाणी फाउंडेशन गामाल के सीएसआर प्रमुख हिमेंद्र कपूर, एसीसी अदाणी सोमेट गामाल बरमाणा के एचआर हेड पद्मनाभ शर्मा, जिला बिलासपुर और मंडी के पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे। संदीप कुमार ने शव वाहन की चाबियां संस्थान के अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा को सौंपीं। सत्यप्रकाश शर्मा, अरुण प्रकाश आर्य और अन्य पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन

और अदाणी फाउंडेशन का शव वाहन भेंट करने के लिए धन्यवाद किया। आर्य ने बताया कि संस्थान द्वारा शव वाहन की आवश्यकता को देखते हुए बिलासपुर के उपायुक्त के समक्ष इसकी मांग रखी गई थी। जिला प्रशासन बिलासपुर ने एसीसी अदाणी सोमेट, बरमाणा से वाहन भेंट करने को लेकर पत्राचार किया। अब जिला बिलासपुर के रामबाग मुक्ति धाम और मंडी के अलसू तथा डैहर मुक्ति धाम पर अंतिम क्रिया हेतु निर्भर क्षेत्र की दो दर्जन पंचायतों के लोगों को लाभ मिलेगा।

## हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में अब तक का सर्वोच्च बिक्री वॉल्यूम हासिल किया

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली



भारत की अग्रणी स्टील पाइप कंपनियों में से एक, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड (NSE: HITECH, BSE: 543411) ने घोषणा की है कि उसने वित्तीय वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में अपने इतिहास का सबसे अधिक बिक्री वॉल्यूम हासिल किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि कंपनी की उत्कृष्टता, नवाचार और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

प्रथम तिमाही में, हाई-टेक पाइप्स ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के 84,489 एम टी की तुलना में कुल 1,22,155 एम टी के बिक्री वॉल्यूम के साथ 45 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है और वित्तीय वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1,07,721 एम टी की बिक्री मात्रा की तुलना में तिमाही-दर-तिमाही 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

है। यह उपलब्धि कंपनी की रणनीतिक पहलों के कारण है, जिसमें प्रोडक्ट लाइनों का विस्तार, बढ़े हुए मार्केटिंग प्रयास और प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन (प्रक्रिया अनुकूलन) शामिल हैं। ऑपरेशनल प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय कुमार बंसल ने कहा कि हम इस प्रमुख मोल के पत्यर तक पहुंचकर रोमांचित हैं, जो हमारी टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। गुणवत्ता, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और निरंतर सुधार पर हमारा ध्यान इस रिकॉर्ड-तोड़ बिक्री मात्रा को प्राप्त

## अंबुजा सीमेंट्स ने बायोमास पहल के साथ-साथ मारवाड़ मुंडवा के आसपास के 100 गांवों के किसानों के लिए स्थायी आजीविका को बनाया सक्षम

बिजनेस रेमेडीज

विविधकृत अदानी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने अपने मारवाड़ मुंडवा प्लांट के आसपास के 100 से अधिक गांवों के कृषक समुदायों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों के साथ मजबूत बनाया है। सीएसआर प्रयासों के माध्यम से इस पहल ने मारवाड़ मुंडवा के 150 किमी के भीतर के ग्रामीणों को एक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) की स्थापना करके आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनाने में सक्षम बनाया है, जो सामूहिक रूप से कंपनी को कचरा भूसी से बायोमास की आपूर्ति करता है। परंपरागत रूप से, सरसों, सौंफ, जीरा और जूली जैसी फसलों के खराब भूसी को जला दिया जाता है, जिससे उत्सर्जन



होता है और अवसर चूक जाता है। प्लांट संचालन के लिए इस खराब भूसी को बायोमास के रूप में उपयोग करने की संभावना को पहचानते हुए कंपनी की सीएसआर टीमों ने किसानों को कलेक्शन और इसकी बिक्री को व्यवस्थित करने में मदद करने के लिए एफपीओ की स्थापना की। कंपनी के प्रयास केवल भूसा खरीदने तक सीमित नहीं थे। उन्होंने एफपीओ के किसानों को कृषि गतिविधियों के लिए इनपुट आपूर्ति, बाजार संपर्क और आधुनिक कृषि पद्धतियों पर प्रौद्योगिकी जागरूकता के साथ व्यापक सहायता प्रदान की। टिकाऊ खेती के लिए

प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण सत्र, और एकसपोर्ज विजिट के साथ-साथ बेहतर कृषि प्रबंधन के लिए कृषि-तकनीकी सहायता की भी पेशकश की गई। परिणामस्वरूप, बायोमास उपलब्धता के लिए वर्षा पर निर्भरता, बाजार प्रतिस्पर्धा और मौसमी उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों के बावजूद इस पहल ने महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इसने जून 2024 तक 45,115.53 मीट्रिक टन बायोमास की आपूर्ति की है। इस बायोमास पहल के माध्यम से अंबुजा सीमेंट्स ने न केवल कृषि कचरा प्रबंधन का समाधान किया है, बल्कि कचरा उत्पाद के पुनः उपयोग के माध्यम से स्थायी आजीविका और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देकर किसानों को आर्थिक और तकनीकी रूप से सशक्त भी बनाया है।

## ओम इंफ्रा लिमिटेड

(पूर्व नाम ओम मेटल्स इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड) सीआईएन : L27203RJ1971PLC003414  
पंजीकृत कार्यालय : दूसरी मंजिल, ए-ब्लॉक, ओम टॉवर, चर्च रोड, ए.आई. रोड, जयपुर-302001। फोन नं. : +91-141-4046666

वेबसाइट : www.ommnetals.com | ई-मेल आईडी : info@ommnetals.com

**सूचना**

**(कंपनी के इन्वेस्टि शेरधारकों के ध्यानार्थ)**  
**विषय : कंपनी के इन्वेस्टि शेरों का स्थानांतरण - निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईडीपीएफ) सर्वेस खाता**

पत्र द्वारा शेरधारकों को सूचित किया जाता है कि निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और रिफंड), नियम 2016 ('नियम') के प्रावधानों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान घोषित अंतिम लाभांश, जो लावारिस रहा सात वर्षों की अवधि के लिए 28 अक्टूबर, 2024 को आईडीपीएफ में जमा किया जाएगा। संबंधित शेर निन पर लगातार सात वर्षों तक दावा नहीं किया गया था, उन्हें भी नियमों में निशचित प्रक्रिया के अनुसार स्थानांतरित किया जाएगा।

नियमों के अनुपालन में, कंपनी ने संबंधित शेरधारकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया है और आईडीपीएफ में स्थानांतरित होने वाले ऐसे शेरों का विवरण हमारी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। संबंधित शेरधारक अपने प्राप्त किए गए लाभांश और हस्तान्तरित किए जाने वाले शेरों के विवरण को सत्यापित करने के लिए वेबसाइट [www.ommnetals.com](http://www.ommnetals.com) का संदर्भ लें सकते हैं। शेरधारकों से अनुरोध है कि वे वित्तीय वर्ष 2016-17 और उसके बाद घोषित अंतिम लाभांश को आईडीपीएफ में स्थानांतरित करने से पहले दावा करें।

भौतिक रूप में शेर रखने वाले संबंधित शेरधारक और जिनके शेर आईडीपीएफ में स्थानांतरित होने के लिए उत्तरदायी हैं, ध्यान दें कि कंपनी आईडीपीएफ में शेरों के हस्तान्तरण के उद्देश्य से उनके द्वारा रखे गए मूल के बदले में ड्युलिकेट शेर प्रमाणपत्र जारी करेगी और ऐसे मुद्दे पर, कंपनी ड्युलिकेट शेर प्रमाणपत्र को डीमैट फॉर्म में बदलने और आईडीपीएफ के पक्ष में स्थानांतरित करने के लिए कॉर्पोरेट कार्रवाई के माध्यम से डिफॉजिटरी को सूचित करेगी। मूल शेर प्रमाणपत्र जो मूल शेरधारकों के नाम पर पंजीकृत हैं, स्वचालित रूप से रद्द कर दिए जाएंगे और गैर-प्रकाश्य माने जाएंगे। डिमैटरीयलाइज्ड फॉर्म में शेर रखने वाले संबंधित शेरधारक ध्यान दें कि कंपनी आईडीपीएफ के डीमैट खाते के पक्ष में शेरों के हस्तान्तरण के लिए कॉर्पोरेट कार्रवाई के माध्यम से डिफॉजिटरी को सूचित करेगी। कृपया ध्यान दें कि लावारिस लाभांश राशि और आईडीपीएफ में हस्तान्तरित शेरों के संबंध में कंपनी के खिलाफ कोई दावा नहीं किया जाएगा। शेरधारक नियमों में निशचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आईडीपीएफ अधिकारियों से आईडीपीएफ में हस्तान्तरित लाभांश और संबंधित शेरों का दावा कर सकते हैं, जिसमें ऐसे शेरों पर होने वाले सभी लाभ, यदि कोई भी, शामिल हैं।

उपरोक्त मामले पर किसी भी प्रश्न के लिए, शेरधारकों से कंपनी के रजिस्ट्रार और शेर ट्रॉस्ट एजेंटों, मेकर्स स्कॉडिंग टैक्स फाइनैशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, डी-153ए, प्लेनी मंजिल, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, चरण-1, नई दिल्ली - 110020, फोन : 011-64732681, 26812682, ईमेल - [admin@skfinitia.com](mailto:admin@skfinitia.com) से संपर्क करने का अनुरोध किया जाता है।

**ओम इंफ्रा लिमिटेड के लिए एसीडी/दिनांक : 18.07.2024, स्थान : जयपुर** रीना जैन (कंपनी सचिव)